Microfinance Institutions Network (MFIN)

Village Financial Services Case Study

Coverage Report

7th August, 2018

Submitted By:
Perfect Relations
# Media Coverage Index

<table>
<thead>
<tr>
<th>S. No.</th>
<th>Publication Name</th>
<th>Media</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>The Himalayan Mirror</td>
<td>Print</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>Sikkim Reporter</td>
<td>Print</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>Prabhat Khabar</td>
<td>Print</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>Janpath Samachar</td>
<td>Print</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>Himalaya Darpan</td>
<td>Print</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>Bharat Darpan</td>
<td>Print</td>
</tr>
</tbody>
</table>
Microfinance lends a support to women entrepreneurs

Darjeeling, Aug 8: Narbanu Khatun lives in Bidhannagar in Darjeeling with her husband and two children. There was a time when her family was facing financial problems and a family income of mere Rs 7500 was not sufficient to fulfill their basic needs. Her husband was a contract laborer and the income was sporadic. She decided to support her husband and start a business. Narbanu needed capital for her business so she borrowed an initial loan of Rs 20,000 from Village Financial Services (VFS), a Non-banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI), which provides microcredit services in her area. Her business flourished and today with the help of subsequent loans from VFS she owns two and a half bigha tea plantation land. She is also running a small poultry business on the sidelines. With her hard work and support from VFS she was able to bring her family out of the poverty. They now have all means of comfort at their home and she has even taken an insurance policy. Similarly, Sangita Kumari Ram who also lives in Bidhannagar is a successful businesswoman running her own animal husbandry business. She has expanded her business over the years with the help of micro-credit support from VFS and has been associated with the company for almost six years now. There are many women like Narbanu and Sangita who had the determination to become independent and take a stand for their family to improve their economic status. These women with grit had not only been able to improve their economic status and were able to provide their children with good education and a promising future.

Village Financial Services (VFS) is a microfinance company registered as an NBFC-MFI under Reserve Bank of India. VFS started Micro Finance Operations in 2005 and has its head office at Kolkata (West Bengal). Since then, VFS has grown and has helped many local women entrepreneurs to improve their economic status by providing them credit for income generating activities. It has touched many lives by helping them to become economically self-sufficient. Today VFS is present in 10 states including West Bengal, Bihar, Jharkhand, Assam, Tripura, Sikkim and Orissa and covers over 50 districts through 188 branch offices. The company has been able to positively impact the lives of over 3 lakh clients by extending micro-credit for income generation activities thus giving them a chance to realise their dreams and improve their quality of life.

According to Microfinance Institutions Network, a self-regulatory organisation and an industry association of microfinance industry in India, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Microfinance institutions such as NBFC-MFIs are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India. NBFC-MFIs are the only regulated financial institutions in the country which give unsecured loans to the borrowers from low income households. These institutions fill an unfunded credit gap for women who do not have the wherewithal to provide collateral or security of any sort. The aim of NBFC-MFIs is to build sustainable livelihoods. Through providing last mile financial services even to clients in remote rural areas, these institutions promote the Government’s financial inclusion agenda. NBFC-MFIs are an important partner for Prime Minister MUDRA Yojana and almost 50% of the loan disbursements under this programme have been done through microfinance companies. NBFC MFIs are registered with the Reserve Bank of India and are stringently regulated right from the size of loan, the tenure, the rate of interest and a Fair Practices Code (FPC) and an Industry Code of Conduct (CoC) which governs their functioning. The Reserve Bank conducts regular supervision of all NBFC MFIs.
Microfinance lends a support to women entrepreneurs

Darjeeling: Narbanu Khatun lives in Bidhannagar in Darjeeling with her husband and two children. There was a time when her family was facing financial problems and a fairly income of mere Rs 7500 was not sufficient to fulfill their basic needs. Her husband was a contract laborer and the income was sporadic. She decided to support her husband and start a business. Narbanu needed capital for her business so she borrowed an initial loan of Rs 20,000 from Village Financial Services (VFS), a Non-banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI), which provides micro-credit services in her area.
महिला उद्यमियों को सहयोग दे रहा विलेज फाइनेंशियल सर्विसेज

प्रियामुद्दी, भारतीय रिजर्व बैंक के तहत पंजीकृत माइक्रो फाइनेंस कंपनी ‘विलेज फाइनेंशियल सर्विसेज’ (बीएफएस) पश्चिमादि के लिए ऋण उपलब्ध करार ग्राहकों को स्वरोज़गार कराने में मदद कर रही है। 2005 में माइक्रो फाइनेंस शुरु करनेवाली इस कंपनी का मुख्यालय कोलकाता में है और यह अभी बंगाल, बिहार, झारखंड, असम, त्रिपुरा, सिक्किम, ओडिशा और 10 राज्यों में सक्रिय है। अपने 188 शाखाएं कार्यालयों के माध्यम से 50 से अधिक जिलों में कार्य कर रही हैं। कंपनी ने तीन लाख से अधिक लोगों को ऋण उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने और उनके सपनों का साकार करने में मदद की है।
वीएफएस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

सिलीगुड़ी (निज संवाददाता)। नूबानो (नरबानु) खातून अपने पति और दो बच्चों के साथ दार्जिलिंग जिले के बिधाननगर में रहती हैं। एक समय था जब उनका परिवार आरंभिक संकट से जूझ रहा था। परिवार की मासिक आय मात्र 7500 रु., जो उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं थी। उनके पति दिहाड़ी मजदूर हैं, जिनकी कमाई बहुत कम है। नूबानो ने फैसला किया कि वह केवल काम शुरू कर अपने पति को मदद करेगी, लेकिन इसके लिए उन्हें पूंजी की जरूरत थी। उन्होंने विलेज फाइनेंशियल सर्विसेज (वीएफएस), नून बैंकिंग फाइनेंशियल कॉर्पोरेट जी इंटरनेशनल से बीस हज़ार रूपये का ऋण लिया। यह संस्था उनके क्षेत्र में लघु ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। उनका कारोबार अच्छा चलने लगा और उन्होंने दूसरे चरण में लोन लेकर अपने कारोबार का बिस्तार किया। आज उनके पास दो बीघा चाय के बागान हैं। साथ में वे पॉल्ट्री का कारोबार भी चलाती है। अपनी कड़ी मेहनत और वीएफएस से मिले सहयोग के कारण वे अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकाल पाई। आज उनके घर में सुख-सुविधाओं की सभी चीजें हैं। अब तो उन्होंने इंडोर्स फार्मासिया भी ले ली है। इसी तरह संगीता कुमारी राम भी बिधाननगर में रहती हैं और उन्होंने अपना खुद का परिवर्तन का व्यवसाय शुरू किया। नूबानो और संगीता जैसी और कई महिलाएं हैं, जिन्होंने आत्मनिर्भर बनने के पथकों इसरों के साथ अपने परिवार को गरीबी के जाल से बाहर निकाला हैं।
भीएफएसमार्फत लघु ऋण

सिलगढ़, ९ अगस्त (मित्र.): भीएफएस फाइनेंसियल सर्विसेस (भीएफएस) - नन्दव्यापार कंपनी माइक्रोफाइनेंस इंस्ट्रूमेंट्स नले महिलाहृष्टी स्वनिःष्ठर बनाउन लघु ऋण रुपयों मुख्यित्र रोद गरिएरहें।

विधिनमार निवासी सूर्योदय खातुन नामक महिलाले आर्थिक स्थिति कमजोर होझोरा परिवारलाई आर्थिक रुपेंद्र कल्याण बनाउन केली गरी निर्भर निधीं। तस उनीहसित नगद रुपयांची दिली। तयाल्ये उन्हीं भीएफएसबाट ऋण दिलेल्यांना विधान नगरपालिका नसीघ्याले महिलाहृष्टी लघु ऋण दिले गर्दें। याहाऱ्यात उन्हीं ऋण लिहून कारोबार शुरू गरतुन र उनी सयल पनी भएगी छन्नु। आज उनका घरमा सव्वा प्रकारका सुख सुविधा उपलब्ध छ र उनले इसकेत महिलाहृष्टी याहाऱ्यात ऋण तियंक र्निःष्ठर बने सळूळ दिएकी छन्न। उल्लेखनीय छ, भीएफएस फाइनेंसियल सर्विसेस एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी हो र यो मित्रव्यापार अफ इंडियाअन्तर्गत एनबीएफसी-एफएफआईन्तर्गत प्रमाणावली ७००० येत भी यात आयुष्य सहयोग प्राप्त गर्दें।
माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

दार्जिलिंग, ११ अगस्त। नूरमानो (नरबानू) खातून अपने पति और दो बच्चों के साथ दार्जिलिंग के विधाननगर में रहती हैं। एक समय था जब उनका परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था, परिवार की मात्रक आय मात्र ₹. ५५०० थी, जो उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं थी। उनके पति दिवारी मजदूर थे, जिनकी कमाई बहुत कम है। नूरमानो ने फैसला किया कि वह कोई काम शुरू कर अपने पति की मदद करेंगी। लेकिन इसके लिए उन्हें पूंजी की जरूरत थी। उन्होंने विलेज फाइनेंशियल खरिसेज (वीएफएस), नॉन-एन्कॉर्ड फाइनेंशियल कंपनी- माइक्रोफाइनेंस इंस्ट्रिमेंशन (एनजीएफएस-एसएफआई) से ₹२०,००० का क्रेडिट लिया। यह सस्ता उनके क्षेत्र में लघु क्रेडिट सुविधाएं उपलब्ध कराती है। उनका कारोबार अच्छा चलने लगा और उन्होंने दूसरे चक्र में लोन लेकर अपने कारोबार का विस्तार किया। आज उनके पास दाई बीथा चाय के बहाने हैं।